एक नजर में

महेश जनसेवा ट्रस्ट का स्वास्थ्य जागरूकता शिविर

इंदौर. स्वास्थ्य सर्वोपरि है, समय-समय पर जांच कराना और चिकित्सक से परामर्श लेना समय रहते इलाज में मददगार है. बीमारी का सही समय पर पता चलना ही बीमारी पर हमारी जीत है. यह बात महेश जनसेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित स्वास्थ्य जागरूकता एवं परामर्श शिविर का शुभारम्भ करते हुए पंडित विजय शंकर मेहता ने कही. शुभारंभ अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय वैदिक ज्योतिष हेमन्त कासट, रामस्वरूप धूत और डॉ. राजेंद्र लाहोटी भी उपस्थित थे. यह शिविर वैकुंठवासी मुरलीधर पसारी की स्मृति में आयोजित किया गया. महेश जनसेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश पसारी एवं मंत्री श्री गौरीशंकर लखोटिया ने बताया कि इस शिविर में 30 से अधिक वरिष्ठ चिकित्सकों ने लगभग 200 लोगों को स्वास्थ्य परामर्श प्रदान किया. शिविर समन्वयक संजय मानधन्या, सीए. जयंत गुप्ता एवं श्याम मूंदड़ा ने बताया कि शिविर में मैमोग्राफी, बीएमडी, पीएफटी, यूरिक एसिड, आँखों की जांच एवं रियायती दर पर वैक्सीन एवं पैथोलॉजी सेवाएँ उपलब्ध कराई गई. इस अवसर पर उमाशंकर बिहानी, राजेश भट्टड़, रामकिशोर राठी, राजकुमार साबू, निर्मल बागड़ी, किशन मूंदड़ा उपस्थित थे.

फ्रेंकलिन इंडिया मल्टी एसेट एलोकेशन फंड लांच

इंदौर. फ्रैंकलिन टेम्पलटन (इंडिया) ने फेंकलिन इंडिया मल्टी एसेट एलोकेशन फंड के शुभारंभ की घोषणा की। यह एक ओपन-एंडेड मल्टी एसेट एलोकेशन फंड है जो इक्विटी, डेट और कमोडिटीज में निवेश करता है। यह फंड सक्रिय रूप से मैनेज किया जाएगा और इसका उद्देश्य लंबी अवधि में पूंजी में वृद्धि करना है. इसमें लार्ज, मिड और स्मॉल कैप सेगमेंट में ग्रोथ और वैल्यू स्ट्रैटेजी के मिश्रण के साथ-साथ डेट, मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स और कमोडिटीज में निवेश शामिल होगा. न्यू फंड ऑफर 11 जुलाई से खुलेगा और 25 जुलाई तक चलेगा, जिसमें यूनिट्स 10 रुपए प्रति यूनिट की कीमत पर उपलब्ध होंगी. लॉन्च पर फ्रैंकलिन टेम्पलटन इंडिया के प्रेसिडेंट अविनाश सत्वालकर ने कहा इस फंड का लॉन्च हमारे ग्राहकों की प्राथमिकताओं, लक्ष्यों और चुनौतियों को समझने और उन्हें लंबी अवधि के वित्तीय उद्देश्यों से मेल खाने वाले समाधान देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

कलर्स ला रहा मनपसंद की शादी

इंदौर. अपनी तारीख नोट कर लीजिए क्योंकि आ रही है एक ऐसी जोड़ी, जो बनी है सीधे स्वर्ग में! मनोरंजन का वादा दोहराते हुए, कलर्स एक बार फिर हाथ मिला रहा है राजश्री प्रोडक्शंस के साथ, जो पारिवारिक कहानियों के लिए जाना जाता है. इस बार शादी का लड्डू मिलने वाला है एक प्रगतिशील स्वाद के साथ, नए धारावाहिक 'मनपसंद की शादी' में. चैनल ने एक विचारोत्तेजक प्रोमो रिलीज किया है, जो उस प्रिय राजश्री दुनिया की याद दिलाता है, जहां शादियां सिर्फ समारोह नहीं, बल्कि प्रेम, परिवार और परंपरा की भावनात्मक गाथाएं होती हैं. लेकिन इस बार जब सिनेमाई ताकत टेलीविजन स्क्रीन पर आने के लिए तैयार हो रही है, तो विवाह का एक आधुनिक मोड़ सामने आने का इंतजार कर रहा है. प्रोमो में दिखाई देती है भारत की विविध शादी परंपराओं की एक झलक. आखिर ये मनपसंद की शादी होती क्या है? इसका जवाब लेकर तैयार हैं आरोही शिंदे, जिनका किरदार निभा रही हैं ईशा सुर्यवंशी- एक मराठी मुलगी, जो राजश्री की दुल्हन के नए युग की प्रतीक हैं और एक नई सोच के साथ आ रही हैं. आखिर क्या होती है ये मनपसंद की शादी? देखिए बहुत जल्द, सिर्फ कलर्स पर.

भारत में दुनिया की पहली टेली रोबोटिक वेटलॉस सर्जरी

इंदौर. भारत में विकसित सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम एसएसआई मंत्रा के निर्माता एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल इंक ने दुनिया की पहली रोबोटिक टेली-वेट लॉस सर्जरी को सफलतापूर्वक पूरा कर इतिहास रच दिया है. आधुनिक एसएसआई मंत्रा 3 सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम से पावर्ड इस ऐतिहासिक प्रक्रिया को 900 किलोमीटर की दूरी पर अंजाम दिया गया, गुरुग्राम स्थित एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल इंक की यूनिट से इंदौर के मोहाक बैरिएट्रिक एण्ड रोबोटिक सर्जरी सेंटर में यह सर्जरी की गई. बैरिएट्रिक सर्जन डॉ मोहित भंडारी ने इस सर्जरी को अंजाम दिया जो आईआरसीएडी इंडिया के प्रेज़ीडेन्ट तथा इंदौर के मोहाक बैरिएट्रिक रोबोटिक सर्जरी सेंटर के संस्थापक एवं निदेशक भी हैं. एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल इंक के संस्थापक, चेयरमैन एवं सीईओ, डॉ सुधीर श्रीवास्तव ने कहा लम्बी दूरी पर इस तरह की सर्जरियों को सफलतापूर्वक अंजाम देकर हमने दिखा दिया है कि अब दूरी आधुनिक मेडिकल केयर में कोई बाधा नहीं है. हम टेक्नोलॉजी का उपयोग कर रोबोटिक सर्जरी को सभी के लिए सुलभ बनाने के मिशन की ओर अग्रसर हैं।

फ्लिपकार्ट ने फूड फेस्ट का आयोजन किया

इंदौर. फ्लिपकार्ट ने सफलतापूर्वक फूड फेस्ट 2025 के दूसरे संस्करण का आयोजन किया है. यह भारत की बदलती खाद्य संस्कृति का उभरता हुआ उत्सव है. कार्यक्रम का आयोजन बेंगलुरु के फ्लिपकार्ट कैंपस में किया गया। 5 से 10 जुलाई के बीच क्यूरेटेड सेल के माध्यम से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी इस फूड फेस्ट का जश्न मनाया गया. इस दौरान ग्राहकों को गॉमे फूड कलेक्शन, नई लॉन्चिंग एवं टॉप ब्रांड्स पर लिमिटेड टाइम ऑफर्स पाने का मौका मिला. इस इवेंट में देशभर से सेलेब्रिटी शेफ, टॉप क्रिएटर्स, आइकॉनिक ब्रांड्स और स्वाद के दीवानों ने हिस्सा लिया. इससे भारत में गॉमे फूड डिस्कवरी एवं कॉमर्स के भविष्य को आकार देने की फ्लिपकार्ट की प्रतिबद्धता मजबूत हुई है. फ्लिपकार्ट के सीनियर डायरेक्टर कंज्यूमेबल्स निशांत दलाल ने कहा फूड फेस्ट 2025 के साथ हम सिर्फखाने का जश्न नहीं मना रहे हैं, बल्कि गॉमे फूड डिस्कवरी, स्टोरीटेलिंग और कम्युनिटी-लेड कॉमर्स के नए युग की शुरुआत कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य फ्लिपकार्ट को हर भारतीय के लिए पसंदीदा ठिकाना बनाना है, फिर चाहे उन्हें प्रेरणा, लगाव और इनोवेशन, जिसकी भी तलाश हो।

द ओबीसीज़ अपराइजिंग का लोकार्पण

इंदौर. हाल ही में एक नई पुस्तक, द ओबीसीज़ अपराइजिंग : अ न्यू नैरेटिव ऑन सोशल जस्टिस एंड पॉलिटिकल रिप्रेजेंटेशन का लोकार्पण हुआ. इस पुस्तक के सह-लेखक मध्य प्रदेश के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख सचिव पी. नरहरि, आईएएस और उच्च न्यायालय के अधिवक्ता पृथ्वीराज सिंह हैं. यह कृति भारत में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए सामाजिक न्याय और राजनीतिक प्रतिनिधित्व की वकालत करती है, जो पाँच वर्षों के गहन शोध और सहयोग का परिणाम है. द ओबीसीज़ अपराइजिंग हाल ही में प्रकाशित हुई है और इसे पाठकों से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है. तेलुगु भाषा में इसकी लगभग 3500 प्रतियाँ बिक चुकी हैं और इसके अंग्रेज़ी संस्करण में भी रुचि बढ़ रही है. इस पुस्तक का लोकार्पण महागाथा मंच द्वारा किया गया. पी. नरहरि ने कहा, यह पुस्तक पाँच वर्षों के गहन शोध और सहयोग का परिणाम है, जो ओबीसी आख्यान के व्यापक अन्वेषण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को स्पष्ट करती है. सह-लेखक पृथ्वीराज सिंह ने कहा, हमारा मानना है कि यह पुस्तक एक कार्यवाही का आह्वान है—ऐतिहासिक अन्यायों को दूर करने और भारत के लिए एक सच्चे समावेशी भविष्य की कल्पना करने हेतु एक सावधानीपूर्वक तैयार किया गया उपकरण.

'प्रसूति' में उजागर हो रही बाल विवाह की करतूतें!

- जिला अस्पताल ने आधा दर्जन से अधिक प्रकरण पुलिस को सौंपे
- आधार कार्ड से खुल रही है परिवारों की पोल
- महिला एवं बाल विकास विभाग पर उठ रही अंगुलियां

प्रदीप मालवीय

इन्दौर. बाल विवाह रोकने के लिए जिम्मेदार महिला एवं बाल विकास विभाग की अक्षमता, नाकामी के चलते शासकीय चिकित्सालयों में प्रसूति के दौरान कागजी कार्रवाई में बाल विवाह की करतूतें उजागर हो रही है.

पिछले दो माह में जिला अस्पताल प्रशासन ने कम उम्र में प्रसूति संबंधी आधा दर्जन से अधिक प्रकरण विभिन्न थानों की पुलिस को सौंपे है. प्रसव के लिए आने वाली युवती की उम्र का निर्धारण उसके आधार कार्ड से किया जाता है, जो अब इन युवतियों के परिवारों की पोल भी खोल रहा है. महिला एवं बाल विकास विभाग की चौकस निगाहों के बीच कुछ लोग अपनी अवयस्क पुत्रियों का विवाह कर देते हैं, जिसकी पोल उनकी ब्याहता बालिकाओं द्वारा गर्भधारण से खुल रही है. धार रोड पर स्थित पं. गोविंद वल्लभ पंत शासकीय जिला चिकित्सालय में प्रसव के लिए रोजाना महिलाओं का पंजीयन होता है. प्रसव का पंजीयन करने के लिए आधार कार्ड को आधार बनाया जाता है.

मेडिकल जांच के दौरान जब आधार की फोटोकापी मांगी जाती है, उस समय प्रसूता की उम्र उजागर होती है. पिछले दो माह के दौरान जिला अस्पताल में ही आठ से दस प्रकरण उजागर होने के बाद नर्सिंग स्टाफ की इंजार्च ने ऐसी प्रसूताओं को चिन्हित कर पुलिस को अग्रिम कार्रवाई हेतु जानकारी प्रेषित की है. इनमें चंदन नगर थाना क्षेत्र से सर्वाधिक मामले सामने आए हैं. गांधी नगर, द्वारापुरी, एरोड्रम आदि थानों को भी बकायदा पत्र लिखकर तदाशय की जानकारी दी गई है. इसमें प्रसूति के लिए पंजीकृत की गई लड़की की उम्र, पता और उसके परिजन का ब्यौरा दिया गया है.

आधार कार्ड से पता चल रही उम्र

गौरतलब है कि शासकीय अस्पतालों में प्रसूताओं को शासन की तरफ से कई योजनाओं का लाभ दिया जाता है. इसमें सोलह हजार रुपए तक की आर्थिक मदद भी मिलती है. प्रसव के पूर्व इन महिलाओं को कई जांचों से गुजरना होता है. लेकिन जब उन्हें प्रसव के लिए भर्ती कर लिया जाता है तब विभागीय रिकॉर्ड अपडेट करने के लिए आधार कार्ड भी मांगा जाता है. आधार कार्ड में संबंधित की उम्र का स्पष्ट उल्लेख होता है. प्रसव के लिए आई लड़की की उम्र 21 से कम होने की स्थिति में जिला अस्पताल प्रशासन द्वारा इसकी सूचना संबंधित थानों को कार्यवाही के लिए दी जा रही है. हाल ही में जो मामले सामने आए हैं, उसमें ज्यादातर लड़किया नाबालिग है और मात्र सोलह या सत्रह साल की उम्र में ही मां बन गई है. इसमें चौंकाने वाला मामला यह भी है कि वर्ग विशेष की युवतियां चेहरा ढंक कर ही आती है, जिससे प्रारंभिक दौर में उनकी उम्र का पता नहीं चल पाता है, लेकिन कागजों में उनकी पोलपट्टी सामने आ रही है.

सांवेर विधानसभा के शहरी वार्डों में बनेगी 8 पेयजल टंकियां-सिलावट

नव भारत न्यूज

इंदौर. नगद निगम सांवेर विधानसभा के 5 शहरी वार्डो 8 पेयजल टंकियां बनाएगा. उक्त टंकियों के निर्माण और वॉटर सप्लाई लाइन पर 100 करोड़ रुपए खर्च होंगे. सभी आठों पानी के टंकी अमृत योजना 2.0 में बनाई जाएगी.

जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट द्वारा आज समीक्षा बैठक ली गई. बैठक में सिलावट ने बताया गया कि पेयजल व्यवस्था के लिए अमृत 02 योजना से वार्ड क्रमांक 18, 19, 35, 36 एवं 76 में पेयजल की टंकियों का निर्माण किया जायेगा. बैठक में इंदौर नगर निगम जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा एवं कार्यपालन यंत्री संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि 8 पानी की टंकियां रेवती, कुमेडी, शक्कर खेडी, मायाखेड़ी, अरन्त्रिया, तलावली चांदा में बनेगी. टंकी बनाने और सप्लाई लाइन डालने पर 100 करोड़ रुपए खर्च होंगे. कनाडिया और भौरंसला में पानी टंकी का निर्माण इन्दौर विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा. आगामी माह में उक्त स्थानों की टंकियों का शिलान्यास किया जाएगा.

डायबीटीज़ रिवर्सल संभव परंतु स्थायी समाधान नहीं

इंदौर. पश्चिम निमाड़ खंडवा में डायबीटीज़ के सम्मेलन में इंदौर के डायबिटीज़ मोटापा, थायराइड एवं हॉर्मोन विशेषज्ञ डॉ राजेश अग्रवाल ने बताया कि टाइप टू डायबीटीज़ में रिवर्सल संभव है परंतु टाइप 1 और एडवांस डायबीटीज़ में नहीं. डायबिटीज़ रिवर्सल के लिए लो कैलोरी डाइट और एक्सरसाइज और कुछ दवाई कारगर है परंतु स्थायी समाधान नहीं है. पेट का मोटापा जिससे इन्सुलिन रेजिस्टेंस और डाइबिटीज होती है और डायबिटीज़ को ठीक करने के लिए जी एल पी एनालॉग जैसी दवाई कारगर है परंतु वेट रिगेन होने पर डायबीटीज़ रिलैप्स या वापस हो जाती है. मोटापा कम करके और लाइफ स्टाइल में परिवर्तन कर के डायबिटीज रिवर्सल टू नार्मल संभव है, स्थायी निदान भी हो सकता है पर रिलैप्स एंड रिकरंस बहुत ही कॉमनहै.

टिगरिया राव और कनाडिया में होगा गार्डन का निर्माण : मंत्री

- वार्ड 76 में विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपूजन

नव भारत न्यूज

इंदौर. आज जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने नगर निगम वार्ड 76 में 2 करोड रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया.

भूमिपूजन के बाद मंत्री सिलावट ने कहा कि टिगरिया राव एवं कनाडिया में बनने वाला गार्डन सर्वसुविधायुक्त होगा. गार्डन में बच्चों के लिए झूले, चकरी, कुर्सी के अलावा पेवर ब्लाक और जल गंगा संवर्धन योजना में वॉटर रिचार्ज सॉफ्ट का काम होगा. गार्डन में फव्वारे के साथ ही पाथ-वे और बाउंड्रीवॉल का निर्माण भी

किया जाएगा. सिलावट ने कहा कि यह आदर्श वार्ड है, जिसमें अभी तक 50 करोड़ रुपए से अधिक राशि से विकास कार्य हो चुके हैं. इसमें सीसी रोड, नाली, ड्रेनेज, स्ट्रीट लाईट, हाई मास्क लाईट, मुक्तिधाम, आंगनवाडी, गार्डन के साथ ही कनकावती नदी पर त्यौहार-तीज पर स्नान के लिए घाट बनाया गया है.

> इस वार्ड में नवीन तहसील कार्यालय और 10 करोड की लागत से नवीन अस्पताल की सौगात भी मिली है. आने वाले वर्षों में पेयजल टंकी और सामुदायिक भवन की सुविधा भी मिलेगी. इस अवसर पर एमआईसी सदस्य राजेश उदावत, कमल पटेल, विपिन जागीरदार, दिलीप ठाकुर, उल्लास सोनी, राम सिलावट, झोनल आफिसर धीरेन्द्र बायस सहित क्षेत्रीय रहवासी उपस्थित थे.

विश्वनाथ धाम पर मियावाकी पद्धति से रोपे 10 हजार पौधे

- कार्यक्रम को दिया पारिवारिक पिकनिक का रूप

इंदौर. विश्वनाथ धाम में मियावाकी पद्धति से 10,000 पौधों के वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना था, जिसमें भारतीय संस्कृति शिक्षा संस्थान (विश्वनाथ धाम), हार्टफुलनेस संस्थान एवं मानव सेवा ट्रस्ट की संयुक्त भागीदारी रही। नगर निगम ने सभी पौधे उपलब्ध कराए.

अभियान को पारिवारिक पिकनिक का स्वरूप दिया गया, जिसमें हजारों लोगों ने अपने परिवार के साथ भाग लिया. कार्यक्रम सुबह से दोपहर तक चला. शुरुआत 51 वेदपाठी विद्यार्थियों के सामूहिक मंत्रोच्चार से हुई. इस आयोजन में इसबा कॉलेज के लगभग 500 बच्चों सहित बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता की. मियावाकी पद्धति जापान के

वनस्पतिशास्त्री अकीरा मियावाकी द्वारा विकसित एक वैज्ञानिक विधि है, जिसमें बहुत कम जगह में अधिक पौधे लगाए जाते हैं और ये पौधे पारंपरिक विधि की तुलना में 10 गुना तेजी से बढ़ते हैं. आमतौर पर एक वर्ग मीटर में 3 से 5 पौधे लगाए जाते हैं, जिससे कम समय में घना जंगल विकसित होता है और देखभाल की आवश्यकता न्यूनतम रहती है. आयोजन केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं रहा। इसमें गोसेवा, सत्संग, योग प्रदर्शन, सांस्कृतिक गतिविधियां, गेम्स और पारिवारिक मेल-मिलाप के साथ मनोरंजक पिकनिक का माहौल रहा.

हरित क्षेत्र बढ़ाने की दिशा में कदम

संयोजक रमाकांत अग्रवाल, मुकेश कचौलिया, पंकज मित्तल एवं धीरेन पटेल ने बताया कि यह अभियान शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. इस अवसर पर मनोहर बाहेती, गणेश गोयल, बिष्णु बिन्दल, भरत शर्मा, राजेन्द्र राठौर, राजेश जायसवाल, नीमेश पालीवाल, लक्ष्मीकांत शाह सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे.

हरियाली और खुशहाली के लिए 101 अग्रवाल जोड़ों ने किया महारूद्राभिषेक

इंदौर. शहर, समाज एवं देश-प्रदेश में हरियाली और खुशहाली की मंगल कामना से अग्रसेन माधवी सोशल ग्रुप तथा अग्रवाल समाज महिला मंडल की ओर से श्रावण की अगवानी में शिव-पार्वती पूजन एवं ओंकारेश्वर से बुलवाए गए नर्मदेश्वर ज्योतिर्लिंग का विमानतल मार्ग स्थित विद्याधाम मंदिर पर 101 युगलों द्वारा रूद्राभिषेक का दिव्य आयोजन किया गया.

ग्रुप की संस्थापक श्रीमती राधा राजेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य एवं आचार्य पं. राजेश शास्त्री के निर्देशन में विद्वान ब्राह्मणों ने विधि-विधान पूर्वक 101 युगलों से भगवान भोलेनाथ का दूध, दही, शहद आदि से अभिषेक एवं भगवान शिवाशिव का रूद्राभिषेक संपन्न कराया. प्रमुख यजमान प्रयोग-शिराली गर्ग, डॉ. गोपाल गर्ग, सुनीता पाटनी एवं अंशुल अग्रवाल भी शामिल हुए. अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के अध्यक्ष राजेश बंसल भी अनुष्ठान में शामिल हुए. करीब तीन घंटे चले इस अनुष्ठान में समाज के युगलों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिन्होंने महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती को सम्मानित भी किया.

अपने आपको जानने और परखने का दुर्लभ अवसर है चातुर्मास : विमलप्रभा

इंदौर. आत्मशुद्धि, स्वाध्याय और साधना के लिए सबसे अनुपम अवसर है चातुर्मास. इन चार माह में साधु-संत एक ही स्थान पर विराजित होकर धर्म, ध्यान और प्रवचन के माध्यम से समाज को आचार-विचार से परिपूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं. चातुर्मास अपने आप को जानने और परखने का भी दुर्लभ अवसर है.

एयरपोर्ट रोड स्थित अंजनि नगर स्थित पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन पंचायती मंदिर पर आर्यिका विजयामति मताजी की पट्ट शिष्या विमलप्रभा माताजी का 41वां वर्षायोग मंगल कलश स्थापना का कार्यक्रम सौल्लास संपन्न हुआ. इस अवसर पर उक्त दिव्य विचार व्यक्त करते हुए गणिनी आर्यिका विमलप्रभाजी ने समाजबंधुओं को अपने प्रथम प्रवचनों से उपकृत किया. मंदिर समिति के अध्यक्ष देवेन्द्र सोगानी ने बताया कि प्रथम मंगल कलश श्रेष्ठी का लाभ राजेश-संगीता काला, द्वितीय व तृतीय कलश श्रेष्ठी नागपुर के अतुलचंद-रानू जैन एवं चेतन जैन तथा आकाश कुमार-श्रीमती कमलादेवी जैन ने लिया. इस अवसर पर जयपुर, टोंक, झालावाड़, जबलपुर, नागपुर, झालरापाटन सहित अनेक शहरों के गुरू भक्त परिवार भी शामिल हुए. प्रचार मंत्री ऋषभ पाटनी ने बताया कि सर्वप्रथम समाज के हेमंत-अनिता गदिया परिवार ने ध्वाजरोहण किया तदपश्चात आदिनाथ बाग रामचंद्र नगर में पाद प्रक्षालन शास्त्र भेंट करने की क्रिया संपन्न हुई. संगीत की मधुर स्वर लहरियों के बीच सोनाली जैन और उनके साथियों ने वंदना प्रस्तुत की. संचालन पं. नितिन झांझरी ने किया और आभार माना अक्षय काला ने.

अभियान | पौधारोपण अभियान के साथ अहिल्या उत्सव के कार्यक्रम प्रारंभ

अहिल्याबाई ने इको फ्रेंडली शासन की नींव रखी

नवभारत न्यूज

इंदौर. देवी अहिल्याबाई ने बरसों पहले इको फ्रेंडली एवं वास्तु सम्मत शासन की नींव रखी थी. देशभर में इसके प्रमाण देखने को मिलते हैं। वे हर काम के पहले पौधारोपण कर प्रकृति को नमन करती थी. काशी से लेकर रामेश्वर तक अहिल्या बाई द्वारा किए गए कार्य आज भी अपनी मौजूदगी का अहसास कराते हैं.

यह बात वरिष्ठ संत पंडित डॉ प्रदीप तराणेकर अहिल्या उत्सव समिति द्वारा आयोजित वृहद वृक्षारोपण अभियान के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये. सिरपुर के समीप रामसर साइट पर आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व लोक सभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने कहा कि हमें उतने ही वृक्ष लगाना चाहिए जिसकी साज संभाल हम कर सकें. सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि यहां निर्माणाधीन इंटरपीटीशन सेंटर का कार्य हम सब मिलकर शीघ्र पूरा करेंगे. संस्था सचिव शरयू वाघमारे, कार्यक्रम संयोजक सुधीर दांडेकर व राम मूंदड़ा ने बताया कि आज मुख्य रूप से औषधीय एवं फलदार पौधे जिनमें कटहल, बेरा, बादाम, जामुन, अमरूद, अंजीर, बेर और शहतूत शामिल हैं, लगाए गए. सुमित्रा महाजन ने कहा कि यह अभियान देवी अहिल्याबाई होल्कर के दूरदर्शी विचारों से प्रेरित है, जिन्होंने सदियों पहले ही देश में इको-फ्रेंडली और वास्तु सम्मत प्रशासन की नींव रखी थी. देवी अहिल्याबाई ने पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संतुलन के महत्व को भी समझा. सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि अब हमारा लक्ष्य इसे हरियाली में भी अग्रणी बनाना है. हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह अपने शहर के पर्यावरण का ध्यान रखे.

भविष्य के लिए निवेश

संत प्रदीप तरानेकर ने आध्यात्मिक दृष्टिकोण से वृक्षारोपण के महत्व को समझाया. उन्होंने कहा, वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। वे हमें ऑक्सीजन देते हैं, धरती को उर्वर बनाते हैं और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ हमारी सबसे बड़ी ढाल हैं. यह केवल पेड़ लगाने का कार्य नहीं, बल्कि भविष्य के लिए एक निवेश है. इस अवसर पर इन गणमान्य व्यक्तियों ने स्वयं पौधे रोपे और इंदौर के नागरिकों से अपने शहर को हरा-भरा बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया. कार्यक्रम में पद्मश्री भालू मोंढे, पार्षद सुरेश टाकलकर, गजानंद गावड़े, प्रकाश पारवानी, सौरभ खंडेलवाल आदि मौजूद थे. संचालन विनीता धर्म ने किया एवं आभार निलेश केदारे ने माना.